[This question paper contains 2 printed pages.]

(1) आपका अनुक्रमांक 2022-23

Sr. No. of Question Paper : 3701 **C**

Unique Paper Code : 12055302

Name of the Paper : Bhasha aur Samaj

Name of the Course : **Hindi (Hons.)**

Semester : **III**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

Deshbandhu College Library
Kalkaji, New Delhi-19

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. भाषा और समाज के अंत: संबंधों को स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

भाषा व्यवहार मानव संबंधों को किस तरह से अभिव्यक्त करता है। विस्तार से उल्लेख कीजिए।

2. भाषा समुदाय से क्या अभिप्राय हैं? दिल्ली महानगर के भाषा समुदाय की व्याख्या कीजिए। (12)

P.T.O.

अथवा

'भारत बहु भाषिक राष्ट्र हैं' - इस आधार पर इसकी बहुभाषिकता की स्थिति को स्पष्ट कीजिए।

3. भाषा और संस्कृति के अंत: संबंध पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

भाषाई अस्मिता से क्या समझते है? भारतीय समाज के विभिन्न वर्गों की भाषा पर विचार कीजिए?

4. भाषा सर्वेक्षण का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

भाषा सर्वेक्षण के लिए भाषाई समुदाय तथा क्षेत्र विशेष का चुनाव किस प्रकार होता है स्पष्ट कीजिए।

5. **किन्हीं तीन** पर टिप्पणी कीजिए। (9,9,9)

(क) भाषा व्यवहार

(ख) भाषा और समाज

(ग) भाषा और जाति

(घ) बहुभाषिकता

(च) भाषाई अस्मिता

(छ) भाषा के नवीन प्रयोग

(1000)

[This question paper contains 2 printed pages.]

(2) आपका अनुक्रमांक..........2022-23

Sr. No. of Question Paper : 4402 **C**

Unique Paper Code : 12053301

Name of the Paper : Vigyapan aur Hindi Bhasha

Name of the Course : **Hindi (Hons.)**

Semester : III

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 75**

Deshbandhu College Library
Kalkaji, New Delhi

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. विज्ञापन का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

विज्ञापन के महत्व को सविस्तार समझाइए।

2. विज्ञापन के सामाजिक एवं व्यावसायिक उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। (12)

P.T.O.

अथवा

विज्ञापन के नए संदर्भ (प्रायोजित कार्यक्रम) की उपादेयता स्पष्ट कीजिए।

3. टेलीविजन विज्ञापन की सीमाएं बताते हुए इसके महत्व का वर्णन कीजिए। (12)

अथवा

विज्ञापन के विभिन्न का उल्लेख करते हुए सबसे सशक्त माध्यम को विस्तार से लिखिए।

4. कापी राइटर को विज्ञापन लिखते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। (12)

अथवा

विज्ञापन के भाषागत विभिन्न पक्षों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

5. **किन्हीं तीन** पर टिप्पणी कीजिए। (9,9,9)

(क) परम्परागत विज्ञापन

(ख) क्रिकेट और विज्ञापन

(ग) मार्केटिंग और ब्रांड निर्माण

(घ) रेडियो जिंगल लेखन

(ङ) टेलीविजन खबरों के विभिन्न चरण

(च) वर्गीकृत विज्ञापन

(1500)

[This question paper contains 2 printed pages.]

(3) Your Roll No. 2022-23

Sr. No. of Question Paper : 4474 **C**

Unique Paper Code : 12051301

Name of the Paper : Hindi Sahitya Ka Itihas (Adhunik Kaal)

Name of the Course : **B.A. (Hons) Hindi - CBCS**

Semester : III

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 75**

छात्रों के लिए निर्देश

Deshbandhu College Library
Kalkaji, New Delhi

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. **सभी** प्रश्नों अनिवार्य हैं।

1. मध्कालीन बोध और आधुनिक बोध में अंतर स्पष्ट करते हुए आधुनिक बोध को व्याख्यायित कीजिए।

अथवा

खड़ी बोली आंदोलन में महावीर प्रसाद द्विवेदी के योगदान की चर्चा कीजिए। (15)

P.T.O.

2. हिंदी उपन्यास का विकासात्मक परिचय दीजिए।

अथवा

हिन्दी नाटक की विकास-ययात्रा का विवेचन कीजिए। (15)

3. प्रगतिवादी काव्य के परिवेश और प्रवृतियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

नई कविता नवीन भाव बोध और नवीन शिल्प विधान की कविता है- इस आधार पर नई कविता की मूल प्रवृत्तियों का उद्घाटन कीजिए। (15)

4. साठोत्तरी कविता की प्रमुख विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

स्त्री विमर्श, स्त्री स्वातंत्र्य के किन बिन्दुओं पर आधारित हैं- विस्तारपूर्वक उत्तर दीजिए। (15)

5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (8,7)

(क) नवजागरण और भारतेन्दु युग

(ख) हिन्दी आलोचना

(ग) छायावाद

(घ) साहित्यिक पत्रकारिता

(5000)

[This question paper contains 4 printed pages.]

(4) Your Roll No. 2022-23

Sr. No. of Question Paper : 4497 **C**

Unique Paper Code : 12051302

Name of the Paper : हिन्दी कविता (आधुनिक काल-छायावाद तक)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi – CBCS**

Semester : III

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

Deshbandhu College Library
Kalkaji, New Delhi

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (8,7)

(क) देखते देखा मुझे तो एक बार

उस भवन की ओर देखा, छिन्नतार;

देखकर कोई नहीं,

देखा मुझे उस दृष्टि से

P.T.O.

जो मार खा रोयी नहीं,

सजा सहज सितार,

सुनी मैंने वह नहीं

जो थी सुनी झंकार

अथवा

जागी किसकी वाष्पराशि, जो सूने में सोती थी?

किसकी स्मृति के बीज उगे ये, सृष्टि जिन्हें बोती थी?

अरी वृष्टि, ऐसी ही उनकी दया-दृष्टि रोती थी,

विश्व-वेदना की ऐसी ही चमक उन्हें होती थी।

(ख) आह रे, वह व्यतीत जीवन!

तुम्हारी आँखों का बचपन!

साथ ले सहचर सरस वसन्त,

चंक्रमण करता मधुर दिगन्त,

गूँजता किलकारी निस्वन,

घपुलक उठता तब मलय-पवन।

अथवा

राजा रंक से बना करके यश, मान, मुकुट पहना करके,
बाँहों पर मुझे उठा करके, सामने जगत के ला करके,
करतब क्या-क्या न किया उसने, मुझको नव-जन्म दिया उसने।

2. "सखि! वे मुझसे कहकर जाते" गीत का मूल प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

यशोधरा की कथावस्तु का विवेचन कीजिए।

3. पाठ्यक्रम में संकलित "लहर" की कविताओं के आधार पर जयशंकर प्रसाद के काव्य में प्रेम और सौन्दर्य का वर्णन कीजिए। (12)

अथवा

"अरी वरुणा की शांत कछार" कविता की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

4. निराला की काव्यभाषा की प्रमुख विशेषताओं पर सौदाहरण विचार कीजिए। (12)

अथवा

'वह तोड़ती पत्थर' कविता की मूल संवेदना का वर्णन कीजिए।

5. राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा में सुभद्रा कुमारी चौहान के योगदान का विवेचन कीजिए। (12)

अथवा

"रश्मिरथी" के तृतीय सर्ग का मूल प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिये।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का निर्देशानुसार रचना-कौशल स्पष्ट कीजिए? (6,6)

(क) मैं उन्मत्त प्रेम की लोभी
हृदय दिखाने आई हूँ,
जो कुछ है, वह यही पास है,
इसे चढ़ाने आई हूँ। (भक्तिभावना)

(ख) दिवसावसान का समय
मेघमय आसमान से उतर रही है
वह संध्या-सुंदरी
परी-सी धीरे धीरे धीरे। (बिम्ब और प्रतीक योजना)

(ग) जहाँ साँझ-सी जीवन-छाया,
ढो ले अपनी कोमल-काया,
नील नयन से ढुलकाती हो,
ताराओं की पाँति घनी रे! (भावार्थ)

[This question paper contains 4 printed pages.]

(5) Your Roll No. 2022-23

Sr. No. of Question Paper : 4520 **C**

Unique Paper Code : 12051303

Name of the Paper : Hindi Kahani

Name of the Course : **B.A.(H) Hindi - CBCS**

Semester : III

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 75**

Deshbandhu College Library
Kalkaji, New Delhi

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'उसने कहा था' कहानी में निहित मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

कहानी के तत्वों के आधार पर 'छोटा जादूगर' कहानी की समीक्षा कीजिए।

2. 'तीसरी कसम' कहानी के मूल भाव को स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

'चीफ की दावत' कहानी के आधार पर शामनाथ का चरित्र - चित्रण कीजिए।

3. 'वापसी' कहानी का प्रतिपाद्य लिखिए। (12)

अथवा

'माया का मर्म' कहानी व्यक्ति की सूक्ष्म संवेदना व्यक्त करती है - इस कथन पर विचार कीजिए।

4. 'दोपहर का भोजन' कहानी का सार लिखिए। (12)

अथवा

'घुसपैठिये' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (9×3=27)

(क) सहसा जबरा ने किसी जानवर की आहत पाई। इस विशेष आत्मीयता ने उसमें एक नयी स्फूर्ति पैदा कर दी थी, जो हवा के ठंडे झोंकों को तुच्छ समझती थी। वह झटपट उठा और छतरी के बाहर आकर भोंकने लगा। हल्कू ने उसे कई बार चुभकारकर बुलाया; पर वह उसके पास न आया हार कर चारों तरफ

दौड़-दौड़ कर भोंकता रहा। एक क्षण के लिए आ भी जाता तो तुरंत ही फिर दौड़ पड़ता। कर्त्तव्य हृदय में अरमान की भाँति उछल रहा था।

अथवा

मैं कुछ बोला नहीं। मेरा मन जाने कैसे गम्भीर प्रेम के भाव से आशुतोष के प्रति उमड़ पड़ा था। मुझे ऐसा मालूम होता था कि ठीक इस समय आशुतोष को हमें अपनी सहानुभूति से वंचित नहीं करना चाहिए। बल्कि कुछ अतिरिक्त स्नेह इस समय बालक को मिलना चाहिए। मुझे यह एक भरी दुर्घटना मालूम होती थी।

(ख) गजाधर बाबू खुश थे, बहुत खुश। पैंतीस साल की नौकरी के बाद वह रिटायर होकर घर जा रहे थे। इन वर्षों में अधिकांश समय उन्होंने अकेले रह कर काटा था। उन अकेले क्षणों में उन्होंने इसी समय की कल्पना की थी, जब वह अपने परिवार के साथ रह सकेंगे। इसी आशा के सहारे वह अपने अभाव का बोझ ढो रहे थे।

अथवा

शामनाथ सिगरेट मुँह में रखे, सिकुड़ी आँखों से श्रीमती के चेहरे की ओर देखते हुए पल-भर सोचते रहे, फिर सिर हिलाकर बोले, "नहीं, मैं नहीं चाहता कि उस बुढ़िया का आना-जाना यहाँ फिर से शुरू हो। पहले ही बड़ी मुश्किल से बंद किया था। माँ

से कहें कि जल्दी ही खाना खा के शाम को ही अपनी कोठरी में चली जाएँ।

(ग) शेरे ने जरा रूककर, घबराकर कहा - "नहीं - शाहनी। ... "शेरे के उत्तर की अनसुनी कर शाहनी जरा चिंतित स्वर से बोली, "जो कुछ भी हो रहा है, अच्छा नहीं। शेरे, आज शाहजी होते तो शायद कुछ बीच-बचाव करते। पर ... "शाहनी कहते-कहते रुक गई। आज क्या हो रहा है। शाहनी को लगा जैसे जी भर-भर आ रहा है।

अथवा

मनुष्य समझा रहा है - हम आप लोगों को हाथों हाथ लेंगे। अपने घर, मकान, झोपड़ों में रखेंगे, बस्तियों में बसाएंगे, कहीं भी जाएंगे तो आपको अपने साथ ले जाएंगे ... यहाँ न आप लोगों को दूसरे के आगे तनकर खड़ा होने का अधिकार है और न किसी को खड़ा होने के लिए एक बीते से ज्यादा जमीन दी गई है।